राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

जय–जय उत्तराखण्ड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल

राजभवन देहरादून 08 नवंबर, 2012

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ0 अज़ीज़ कुरैशी ने राजभवन में आयोजित होने वाले **राज्य स्थापना दिवस** के 12वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले जय उत्तराखण्ड कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि उत्तराखण्ड के आन्दोलनकारियों का सम्मान होना चाहिए तथा यहां के वीर सैनिकों के सम्मान में युद्ध स्मारक **''वार मैमोरियल''** का निर्माण होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वे वार मैमोरियल के निर्माण में हर स्तर के सहयोग करने को तत्पर हैं।

वीर सैनिकों व राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा जब तक सीमाओं पर उत्तराखण्ड के सैनिक सीमाओं पर तैनात रहेंगे तब तक तिरंगा झण्डा सदैव ऊंचा रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे उत्तराखण्ड के बहादुर वीरों की भूमि का राज्यपाल बनने पर गर्व है।

पूर्व मुख्यमंत्री एन0डी0 तिवारी ने कहा कि सीमाओं पर राज्य के सैनिकों ने हमारा गौरव व मान बढ़ाया है। हम युद्ध नहीं चाहते लकिन यदि युद्ध हम पर थोपा जाता है तो बहादुरी पूर्वक इसका सामना किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता परक गीत भी गाया। कार्यक्रम के आयोजक राज्य सभा सांसद श्री तरूण विजय ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा तभी हो सकती है जब सीमाओं से जनसंख्या का पलायन ना हो। सीमाओं पर जितनी जनसंख्या होगी हमारी सीमाएं उतनी सुरक्षित रहेंगी। उन्होंने सीमांत क्षेत्रों के विकास के लिए एक विकास आयोग गठित करने तथा पहाड़ी संस्कृति को स्कूली पाठ्यक्रमों में अनिवार्य रूप से शामिल करने पर भी बल दिया। उन्होंने अवस्थापना विकास के लिए दिल्ली, मसूरी छः लेन सड़क निर्माण का सुझाव दिया।

इस अवसर पर बौद्ध गुरू शाक्य त्रिजेन जी, हिमालयन ड्रग्स के डॉ0 फारूख, आई0एम0ए0 के कमांण्डेन्ट मानवेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

———0———

सूचना अधिकारी, सूचना परिसर राजभवन, उत्तराखण्ड मो0–9412074595 टे0/फै0 0135–2756172